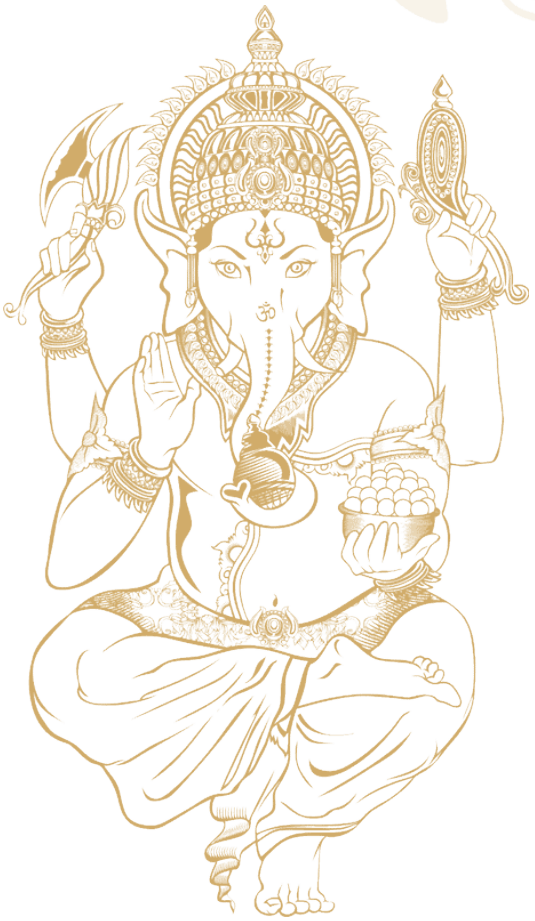

Kamaljeet

29 Oct 1991

04:30 AM

Kalanwali

Model: web-freekundliweb

Order No: 121391308

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/10/1991**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:30:00 घंटे**
इष्ट	54:34:07 घटी
स्थान	**Kalanwali**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:51:00 उत्तर
रेखांश	75:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:00:00 घंटे
वेलान्तर	00:16:11 घंटे
साम्पातिक काल	06:27:08 घंटे
सूर्योदय	06:40:21 घंटे
सूर्यास्त	17:47:08 घंटे
दिनमान	11:06:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:16:32 तुला
लग्न के अंश	12:10:31 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:10:31	314:46:59	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			तुला	11:16:32	00:59:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			मिथु	23:40:29	14:11:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	तुला	14:31:44	00:41:07	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
बुध			तुला	26:52:40	01:28:40	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	15:13:15	00:09:45	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	24:49:45	00:57:58	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			मक	06:55:10	00:02:22	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु			धनु	18:29:41	00:00:20	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	नीच राशि
केतु			मिथु	18:29:41	00:00:20	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	16:44:46	00:01:57	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप			धनु	20:32:08	00:01:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	25:56:12	00:02:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	12:29:06	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:50

लग्न-चलित

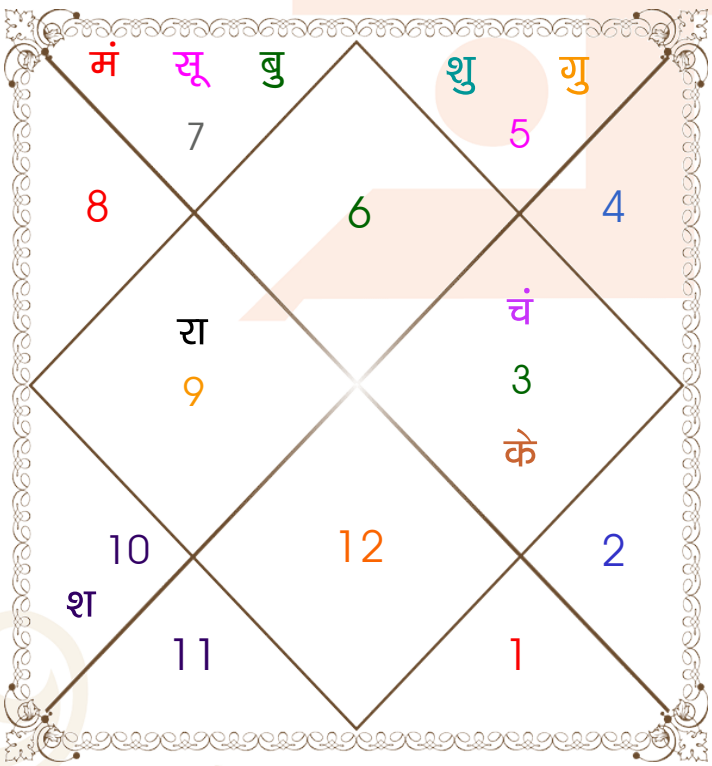

चन्द्र कुंडली

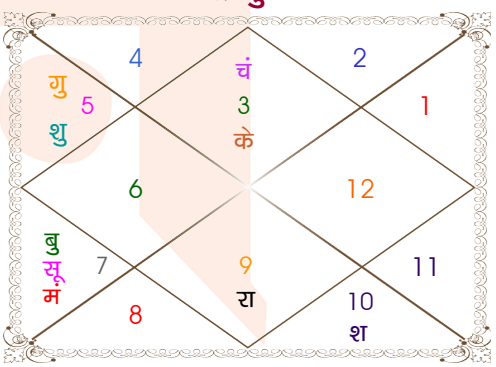

नवमांश कुंडली

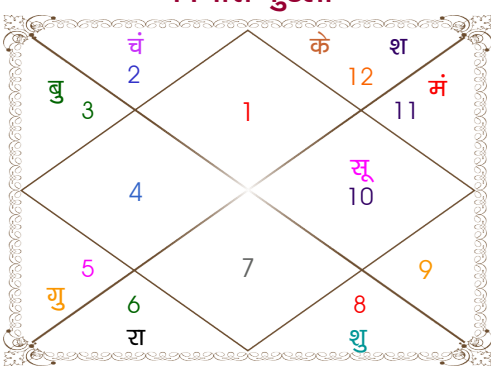

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 7 मास 2 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/10/1991		01/06/2003		01/06/2022		01/06/2039		01/06/2046	
01/06/2003		01/06/2022		01/06/2039		01/06/2046		01/06/2066	
	29/10/1991	शनि	04/06/2006	बुध	27/10/2024	केतु	28/10/2039	शुक्र	30/09/2049
शनि	31/01/1992	बुध	11/02/2009	केतु	25/10/2025	शुक्र	27/12/2040	सूर्य	01/10/2050
बुध	07/05/1994	केतु	23/03/2010	शुक्र	25/08/2028	सूर्य	04/05/2041	चंद्र	31/05/2052
केतु	13/04/1995	शुक्र	22/05/2013	सूर्य	01/07/2029	चंद्र	03/12/2041	मंगल	31/07/2053
शुक्र	12/12/1997	सूर्य	04/05/2014	चंद्र	30/11/2030	मंगल	01/05/2042	राहु	31/07/2056
सूर्य	01/10/1998	चंद्र	04/12/2015	मंगल	28/11/2031	राहु	20/05/2043	गुरु	01/04/2059
चंद्र	31/01/2000	मंगल	12/01/2017	राहु	16/06/2034	गुरु	25/04/2044	शनि	01/06/2062
मंगल	05/01/2001	राहु	19/11/2019	गुरु	21/09/2036	शनि	04/06/2045	बुध	01/04/2065
राहु	01/06/2003	गुरु	01/06/2022	शनि	01/06/2039	बुध	01/06/2046	केतु	01/06/2066

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/06/2066		31/05/2072		01/06/2082		01/06/2089		02/06/2107	
31/05/2072		01/06/2082		01/06/2089		02/06/2107		00/00/0000	
सूर्य	18/09/2066	चंद्र	01/04/2073	मंगल	28/10/2082	राहु	12/02/2092	गुरु	20/07/2109
चंद्र	20/03/2067	मंगल	31/10/2073	राहु	15/11/2083	गुरु	07/07/2094	शनि	30/10/2111
मंगल	26/07/2067	राहु	02/05/2075	गुरु	21/10/2084	शनि	13/05/2097		00/00/0000
राहु	19/06/2068	गुरु	31/08/2076	शनि	30/11/2085	बुध	01/12/2099		00/00/0000
गुरु	07/04/2069	शनि	01/04/2078	बुध	27/11/2086	केतु	19/12/2100		00/00/0000
शनि	20/03/2070	बुध	31/08/2079	केतु	26/04/2087	शुक्र	20/12/2103		00/00/0000
बुध	24/01/2071	केतु	31/03/2080	शुक्र	25/06/2088	सूर्य	13/11/2104		00/00/0000
केतु	01/06/2071	शुक्र	30/11/2081	सूर्य	31/10/2088	चंद्र	15/05/2106		00/00/0000
शुक्र	31/05/2072	सूर्य	01/06/2082	चंद्र	01/06/2089	मंगल	02/06/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 11 वर्ष 7 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।